भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर
समाचार पत्रिका

जनवरी - मार्च, 2026 hindicell@iiti.ac.in एकादश अंक

तकनीकी हिंदी संगोष्ठी 2025











भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) इंदौर तकनीकी हिंदी के प्रचार, प्रसार और सुदृढ़ीकरण के लिए समर्पित 5 व 6 जनवरी, 2026 को दो दिवसीय राष्ट्रीय तकनीकी हिंदी संगोष्ठी 'अभ्युदय-3' का आयोजन कर रहा है। इस संगोष्ठी का आयोजन आईआईटी इंदौर द्वारा आईआईटी जोधपुर और सीएसआईआर-राष्ट्रीय विज्ञान संचार एवं नीति अनुसंधान संस्थान (सीएसआईआर-निस्पर) के सहयोग से संयुक्त रूप से किया जा रहा है। अभ्युदय -3 का मुख्य उद्देश्य उच्चतर शिक्षा, विज्ञान, प्रौद्योगिकी, अनुसंधान और प्रशासन में हिंदी के प्रभावी उपयोग को प्रोत्साहित करना; तकनीकी शब्दावली के मानकीकरण को बढ़ावा देना और हिंदी में नवाचार और अनुसंधान परिणामों के संचार को सुविधाजनक बनाना है। संगोष्ठी का उद्देश्य तकनीकी हिंदी को अधिक रोजगार-उन्मुख, अनुसंधान-सक्षम और डिजिटल युग की मांगों के अनुरूप बनाना है। इस कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण "स्मारिका" का विमोचन था, जो संगोष्ठी के लिए प्राप्त अध्ययनशील योगदान को प्रदर्शित करता है। समीक्षा के बाद कुल 26 शोध पत्रों को स्वीकार किया गया और पत्रिका में संकलित किया गया। इन शोध पत्रों को दो तकनीकी सत्रों में प्रस्तुत किया गया था, अर्थात् 12 शोध पत्रों के साथ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी सत्र और 14 शोध पत्रों के साथ डिजिटल तकनीक एवं नवाचार सत्र। स्मारिका तकनीकी हिंदी में बढ़ते शैक्षणिक जुड़ाव को दर्शाती है और विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार में हिंदी की उन्नति की दिशा में काम करने वाले शोधकर्ताओं, शिक्षकों और नीति निर्माताओं के लिए एक मूल्यवान संसाधन के रूप में कार्य करती है। उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता आईआईटी इंदौर के निदेशक प्रोफेसर सुहास जोशी ने की, जिन्होंने आईआईटी इंदौर द्वारा की गई कई पहलों पर प्रकाश डाला, जिसमें हिंदी में विज्ञान पर चर्चा, निर्धारित राजभाषा मानकों के अनुसार शोध प्रबंधों का संकलन और छात्रों को बेहतर वैचारिक स्पष्टता प्राप्त करने में मदद करने के लिए हिंदी में पहले वर्ष के व्याख्यान देना शामिल है। उन्होंने आगे कहा, "आईआईटी इंदौर की यह पहल "ज्ञान और विज्ञान को स्थानीय भाषा से जोड़ने" के राष्ट्रीय दृष्टिकोण को साकार करने की दिशा में एक मजबूत कदम का प्रतिनिधित्व करती है। संस्थान का मानना है कि तकनीकी हिंदी को सुदृढ़ बनाने से ज्ञान का व्यापक प्रसार सुनिश्चित होगा और भारत की समृद्ध भाषाई विविधता को मजबूत किया जाएगा। वहीं, आईआईटी जोधपुर के निदेशक प्रोफेसर अविनाश कुमार अग्रवाल ने कहा कि यह संगोष्ठी, जिसने हिंदी में सार्थक तकनीकी संवाद शुरू किया है, तकनीकी शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में भाषा को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। सीएसआईआर-निस्पर का प्रतिनिधित्व करने वाले डॉ. सी.बी. सिंह ने छात्रों और संकाय सदस्यों को हिंदी में विद्वतापूर्ण लेखों का योगदान करने के लिए प्रोत्साहित किया, जिसे सीएसआईआर-निस्पर द्वारा प्रकाशित पत्रिकाओं में प्रकाशित किया जा सकता है। संगोष्ठी में देश भर के प्रख्यात शिक्षकों, वैज्ञानिकों, तकनीकी विशेषज्ञों, राजभाषा अधिकारियों और शोधकर्ताओं की भागीदारी शामिल है। कार्यक्रम में तकनीकी सत्र, शोध पत्र प्रस्तुतियां, पैनल चर्चा और कृत्रिम बुद्धिमत्ता, नवाचार, स्टार्टअप, उच्चतर शिक्षा और प्रशासन में हिंदी के उपयोग जैसे समकालीन विषयों पर विशेष व्याख्यान शामिल हैं। शैक्षणिक सत्रों के अलावा, इस कार्यक्रम में एक समृद्ध सांस्कृतिक कार्यक्रम भी शामिल है, जिसमें पद्मश्री पुरस्कार विजेता श्री भेरू सिंह चौहान द्वारा लोक गायन की प्रस्तुति और कवि सम्मेलन शामिल है, जहां कवि तकनीकी और वैज्ञानिक विषयों पर केंद्रित कविताएं प्रस्तुत करेंगे।

दिशा 2.0



आईआईटी इंदौर के आईआईटीआई दृष्टि सीपीएस फाउंडेशन द्वारा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), भारत सरकार के एनएम-आईसीपीएस कार्यक्रम के अंतर्गत संचालित 'दिशा 2.0' ने देश में डिजिटल हेल्थकेयर नवाचार को प्रोत्साहित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम के माध्यम से संकाय-नेतृत्व वाले अनुसंधान, छात्र नवाचारों तथा डीपीआईआईटी-पंजीकृत स्टार्टअप्स को परामर्श, प्रौद्योगिकी सत्यापन, बौद्धिक संपदा एवं व्यावसायीकरण सहायता प्रदान की गई। देशभर से प्राप्त 286 आवेदनों में से 21 स्टार्टअप, 29 परियोजनाओं एवं 6 फेलोशिप का चयन कर लगभग ₹15 करोड़ की सहायता प्रदान की गई। पुरस्कार समारोह में आईआईटी इंदौर के निदेशक प्रोफेसर सुहास एस. जोशी ने स्थानांतरणीय अनुसंधान एवं सहयोग के महत्व पर प्रकाश डाला, जबकि लेफ्टिनेंट जनरल अशोक जिंदल (से.नि.), पीवीएसएम, एवीएसएम, वाईएसएम, निदेशक, एम्स रायपुर ने डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं में कृत्रिम बुद्धिमत्ता एवं डेटा एनालिटिक्स की भूमिका पर विचार व्यक्त किए।

एडवांस्ड सी-वी2एक्स तकनीक

आईआईटी इंदौर के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग में प्रोफेसर प्रभात कुमार उपाध्याय के नेतृत्व में शोधकर्ताओं ने सेलुलर व्हीकल-टू-एवरीथिंग (सी-वी2एक्स) आधारित उन्नत संचार तकनीक विकसित की, जो सुरक्षित एवं स्मार्ट परिवहन प्रणाली की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। यह तकनीक वाहनों, सड़क अवसंरचना, पैदल यात्रियों और क्लाउड-आधारित प्रणालियों के बीच वास्तविक समय में सूचना आदान-प्रदान सुनिश्चित कर सड़क सुरक्षा, यातायात दक्षता तथा गतिशीलता में सुधार करती है। शोध दल ने सीमित वायरलेस संसाधनों के प्रभावी उपयोग हेतु बुद्धिमान संसाधन आवंटन एल्गोरिदम विकसित किए, जिससे कम विलंबता और विश्वसनीय संचार संभव हुआ। आईआईटी इंदौर के निदेशक प्रोफेसर सुहास एस. जोशी ने इस शोध को सुरक्षित सड़कों, स्मार्ट शहरों तथा भविष्य के कनेक्टेड एवं स्वायत्त वाहनों के विकास की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया।



इंटर-आईआईटी टेक्निकल, स्पोर्ट्स और कल्चरल मीट



भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) इंदौर के छात्रों ने वर्ष 2025–26 के दौरान आयोजित इंटर-आईआईटी टेक्निकल, स्पोर्ट्स एवं कल्चरल मीट में उल्लेखनीय प्रदर्शन कर संस्थान का गौरव बढ़ाया। आईआईटी पटना में आयोजित इंटर-आईआईटी टेक मीट 14.0 में संस्थान ने 23 आईआईटी के बीच समग्र रूप से तृतीय स्थान प्राप्त किया और ऐसा करने वाला पहला द्वितीय पीढ़ी का आईआईटी बना। छात्रों ने विभिन्न श्रेणियों में स्वर्ण, रजत एवं कांस्य पदक अर्जित किए तथा बिना किसी पेनल्टी के प्रतियोगिता पूर्ण कर अनुशासन और तकनीकी उत्कृष्टता का परिचय दिया। 58वीं इंटर-आईआईटी स्पोर्ट्स मीट 2025 में महिला बैडमिंटन एवं वॉलीबॉल टीमों ने चौथा स्थान प्राप्त किया, शतरंज टीम भी चौथे स्थान पर रही तथा पुरुष फुटबॉल टीम क्वार्टर फाइनल तक पहुँची। अन्य खेलों में भी टीमों ने सराहनीय प्रदर्शन किया। इंटर-आईआईटी कल्चरल मीट 8.0 में आईआईटी इंदौर ने 174 छात्रों का अब तक का सबसे बड़ा सांस्कृतिक दल भेजा और फैशन शो प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक प्राप्त किया। आईआईटी इंदौर के निदेशक प्रोफेसर सुहास एस. जोशी ने इन उपलब्धियों का श्रेय संस्थान की समग्र शिक्षा एवं मेकर स्पेस जैसी उन्नत सुविधाओं को दिया, जबकि छात्र कार्य अधिष्ठाता प्रोफेसर आमोद सी. उमरीकर ने छात्रों की प्रतिबद्धता, नेतृत्व क्षमता तथा संरचित मार्गदर्शन को इन सफलताओं का आधार बताया।

छठी एलुमनाई मीट व दूसरी बेंगलुरु चैप्टर मीट



भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) इंदौर ने 17 जनवरी 2026 को बेंगलुरु के एमएलआर कन्वेंशन सेंटर में अपनी छठी एलुमनाई मीट एवं दूसरी बेंगलुरु चैप्टर मीट का सफल आयोजन किया। कार्यक्रम में लगभग 235 प्रतिभागियों, जिनमें 173 से अधिक पूर्व छात्र, संकाय सदस्य, अधिकारी एवं विशिष्ट अतिथि शामिल थे, ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस आयोजन का उद्देश्य पूर्व छात्रों को उनके अल्मा मैटर से पुनः जोड़ना, विभिन्न बैचों एवं क्षेत्रों के पूर्व छात्रों के बीच संवाद और सहयोग को बढ़ावा देना तथा संस्थान के साथ उनके संबंधों को और सुदृढ़ करना था। आईआईटी इंदौर के निदेशक प्रोफेसर सुहास एस. जोशी ने संस्थान के विकास में पूर्व छात्रों की महत्वपूर्ण भूमिका पर बल देते हुए उन्हें छात्र मार्गदर्शन, अनुसंधान, नवाचार तथा उद्योग सहयोग का प्रमुख आधार बताया। डीन, पूर्व छात्र एवं कॉर्पोरेट संबंध (एसीआर) ने पूर्व छात्र सहभागिता बढ़ाने हेतु संचालित पहलों की जानकारी दी, जबकि छात्र कार्य अधिष्ठाता ने जेनेसिस सहित छात्र-केंद्रित कार्यक्रमों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में संवाद, नेटवर्किंग एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से पूर्व छात्रों ने अपने अनुभव साझा किए तथा संस्थान के साथ भविष्य के सहयोग की संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया। यह आयोजन आईआईटी इंदौर और उसके वैश्विक पूर्व छात्र समुदाय के बीच निरंतर सुदृढ़ होते संबंधों का प्रतीक रहा।

मैग्नम ओपस 2026



भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) इंदौर ने 30 जनवरी से 1 फरवरी, 2026 तक पूर्व छात्र एवं कॉर्पोरेट संबंध कार्यालय के माध्यम से वार्षिक पूर्व छात्र सम्मेलन मैग्नम ओपस 2026 का आयोजन किया। 'बुनियाद व राह (Roots and Routes)' विषय पर आधारित इस सम्मेलन का उद्देश्य पूर्व छात्रों और संस्थान के बीच आजीवन संबंधों को सुदृढ़ करना, सहयोग को बढ़ावा देना तथा ज्ञान, अनुभव और नवाचार के आदान-प्रदान के लिए प्रभावी मंच प्रदान करना था। कार्यक्रम में उद्योग, शिक्षाजगत, अनुसंधान, उद्यमिता, स्टार्टअप तथा लोक सेवा से जुड़े पूर्व छात्रों ने सहभागिता की। प्रमुख आकर्षणों में अंडर-25 समिट, टेक एक्सपो, कैंपस टूर, पैनल चर्चाएं, स्पीकर सत्र, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां तथा अभिनंदन समारोह शामिल रहे। पैनल चर्चा में यादनेश पाटिल, रजत चौरासिया, साहिल अग्रवाल, डॉ. प्रदीप कुंडू एवं प्रगल्भ गर्ग ने अपने अनुभव साझा किए। आईआईटी इंदौर के निदेशक प्रोफेसर सुहास एस. जोशी ने कहा कि मैग्नम ओपस पूर्व छात्रों के साथ संस्थान की आजीवन साझेदारी, मार्गदर्शन, सहयोग और ज्ञान-साझाकरण की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। सम्मेलन ने पूर्व छात्रों को संस्थान की प्रगति से जोड़ते हुए भविष्य के सहयोग और सहभागिता के नए अवसर भी प्रदान किए।

बीआईएस - सतत विकास के लिए शैक्षणिक सहयोग



भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) इंदौर में 11 फरवरी, 2025 को "बीआईएस – सतत विकास के लिए शैक्षणिक सहयोग" विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यक्रम में 200 से अधिक शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं, छात्रों, उद्योग एवं स्टार्टअप प्रतिनिधियों तथा बीआईएस अधिकारियों ने भाग लिया। प्रोफेसर मनीष कुमार गोयल ने बीआईएस कॉर्नर को ज्ञान एवं नवाचार का महत्वपूर्ण केंद्र बताया। आईआईटी इंदौर के निदेशक प्रोफेसर सुहास एस. जोशी ने गुणवत्ता, नवाचार और सतत विकास में मानकीकरण की भूमिका पर बल दिया। कार्यशाला में बीआईएस–आईआईटी इंदौर सहयोग की प्रमुख उपलब्धियों, 7 बीआईएस स्टूडेंट चैप्टर, 33 शोध प्रस्तावों तथा जल, ऊर्जा, पर्यावरण, इंटेलिजेंट मोबिलिटी एवं औद्योगिक गुणवत्ता जैसे विषयों पर विशेषज्ञ सत्रों के माध्यम से शिक्षा–उद्योग–बीआईएस सहयोग को सुदृढ़ बनाने पर विशेष जोर दिया गया।

17 वां स्थापना दिवस



भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) इंदौर ने अपना 17वां स्थापना दिवस मनाते हुए शैक्षणिक उत्कृष्टता, अनुसंधान, नवाचार एवं समाज सेवा के सत्रह वर्ष पूर्ण किए। समारोह में संकाय सदस्यों, कर्मचारियों, छात्रों, पूर्व छात्रों एवं विशिष्ट अतिथियों ने सहभागिता की। आईआईटी इंदौर के निदेशक प्रोफेसर सुहास एस. जोशी ने संस्थान की उपलब्धियों, उद्योग सहयोग, सामाजिक रूप से प्रासंगिक अनुसंधान तथा राष्ट्रीय विकास के प्रति उसकी प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. शरद कुमार सराफ, अध्यक्ष, आईआईटी जम्मू एवं टेक्नोक्राफ्ट ग्रुप ऑफ इंडस्ट्रीज, तथा श्री साकेत चतुर्वेदी, मुख्य कार्यकारी अधिकारी (मिग कॉम्प्लेक्स), हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल), नासिक, ने संस्थान के तीव्र विकास और अनुसंधान पारिस्थितिकी तंत्र की सराहना की। इस अवसर पर टीईएम लैब एवं प्रज्ञान इनोवेशन ट्रांजिट लैब का उद्घाटन किया गया तथा अनुसंधान, प्रौद्योगिकी विकास, नवाचार और पेशेवर सेवाओं में उत्कृष्ट योगदान देने वाले संकाय सदस्यों, कर्मचारियों एवं पूर्व छात्रों को सम्मानित किया गया। संस्थागत प्रकाशनों का विमोचन, प्रौद्योगिकी प्रदर्शनी और सांस्कृतिक कार्यक्रम भी समारोह के प्रमुख आकर्षण रहे, जिन्होंने आईआईटी इंदौर की राष्ट्रीय एवं वैश्विक पहचान को और सुदृढ़ किया।

इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) इंदौर ने इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में स्वास्थ्य सेवा, कृषि, जलवायु, स्मार्ट अवसंरचना, साइबर सुरक्षा, मैन्युफैक्चरिंग 4.0 तथा सेमीकंडक्टर सहित विभिन्न क्षेत्रों के लिए विकसित एआई-आधारित प्रौद्योगिकियों का प्रदर्शन किया। समिट में संस्थान ने वास्तविक समस्याओं के समाधान हेतु विकसित स्केलेबल एवं प्रभावशाली कृत्रिम बुद्धिमत्ता समाधानों को प्रस्तुत किया। आईआईटी इंदौर के निदेशक प्रोफेसर सुहास एस. जोशी ने समाज एवं राष्ट्रीय विकास के लिए जिम्मेदार और समावेशी एआई नवाचारों की आवश्यकता पर बल दिया। प्रोफेसर अरुणा तिवारी एवं प्रोफेसर पवन कांकर के नेतृत्व में एग्रीहब ने कृषि क्षेत्र के लिए एआई समाधान प्रस्तुत किए, जबकि प्रोफेसर पलानी आई. ए. के नेतृत्व में आईआईटीआई दृष्टि सीपीएस फाउंडेशन ने डिजिटल हेल्थकेयर के उन्नत एआई अनुप्रयोगों का प्रदर्शन किया। आईआईटी इंदौर के डीन (अनुसंधान एवं विकास) प्रोफेसर अभिरूप दत्ता ने संस्थान का नेतृत्व स्तर पर प्रतिनिधित्व करते हुए अनुसंधान को व्यावहारिक तकनीकों में परिवर्तित करने की प्रतिबद्धता दोहराई। इस सहभागिता ने उद्योग, स्टार्टअप और सरकारी एजेंसियों के साथ सहयोग के नए अवसरों को भी सुदृढ़ किया।





कैंसर की शीघ्र पहचान में नई पहल

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर के कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग की मैथ ऑफ डेटा साइंस एंड सिमुलेशन (MODSS) लैब के प्रोफेसर कपिल आहूजा एवं उनकी टीम ने ब्रेस्ट और सर्वाइकल कैंसर का शीघ्र पता लगाने के लिए उन्नत आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एल्गोरिदम विकसित किए हैं। ये एल्गोरिदम मैमोग्राम और कोल्पोस्कोपी इमेज का विश्लेषण कर उच्च सटीकता के साथ कैंसरग्रस्त ऊतकों की पहचान एवं उनका स्थान निर्धारित करने में सक्षम हैं। निदेशक प्रो. सुहास जोशी ने इस शोध को राष्ट्रीय स्वास्थ्य चुनौतियों के समाधान की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। शोधकर्ताओं ने चार वैश्विक डेटासेट पर इन तकनीकों का परीक्षण किया है। वर्तमान में टीम एचसीजी कैंसर अस्पताल, इंदौर की वरिष्ठ ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ. रेणु दुबे शर्मा के सहयोग से भारतीय रोगियों के लिए प्रोटोटाइप विकसित कर रही है। इस पहल को आईआईटीआई दृष्टि साइबर फिजिकल सिस्टम्स फाउंडेशन द्वारा वित्तीय सहयोग प्रदान किया गया है। भविष्य में इस तकनीक का विस्तार अन्य प्रमुख कैंसरों की पहचान के लिए भी किया जाएगा।

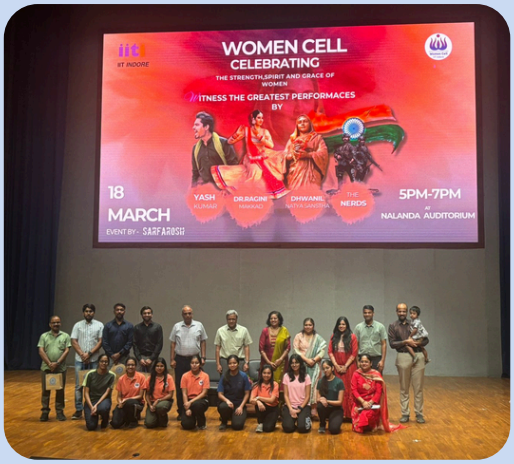
ग्रामीण आजीविका एवं कौशल विकास संवर्धन

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर के ग्रामीण विकास एवं प्रौद्योगिकी केंद्र (सीआरडीटी) द्वारा 21–22 फरवरी, 2026 को ग्राम सिमरोल, जिला इंदौर में डीएसटी-एसईईडी परियोजना के अंतर्गत दो दिवसीय कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसका उद्देश्य व्यावहारिक प्रशिक्षण के माध्यम से ग्रामीण समुदायों के लिए स्थायी आजीविका के अवसरों को सुदृढ़ करना था। कार्यक्रम में सिमरोल ब्लॉक के 95 प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रशिक्षण के दौरान जैविक खेती प्रौद्योगिकियों, निर्माण सामग्री एवं कौशल विकास तथा पीडीआई प्रणाली आधारित फसल कटाई उपरांत प्रबंधन पर विशेष ध्यान दिया गया। विशेषज्ञों ने व्यावहारिक प्रदर्शन एवं तकनीकी सत्रों के माध्यम से आधुनिक कृषि पद्धतियों, स्थानीय निर्माण सामग्री के उपयोग और फसल कटाई उपरांत प्रबंधन की जानकारी प्रदान की। संस्थान के निदेशक प्रो. सुहास जोशी ने ग्रामीण समुदायों को उपयुक्त प्रौद्योगिकी एवं व्यावहारिक कौशल से सशक्त बनाने को समावेशी और सतत विकास के लिए महत्वपूर्ण बताया। यह पहल ग्रामीण आजीविका संवर्धन एवं सामाजिक-आर्थिक विकास के प्रति सीआरडीटी की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।





सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ नारी शक्ति का सम्मान



भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में एक सप्ताह से अधिक समय तक विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसका समापन 18 मार्च, 2026 को नालंदा सभागार में भव्य सांस्कृतिक संध्या के साथ हुआ। इस दौरान महिलाओं की उपलब्धियों, योगदान और सशक्तिकरण को प्रोत्साहित करने के लिए महिला बैडमिंटन प्रतियोगिता सहित विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की गईं। सांस्कृतिक संध्या में उत्कृष्ट खिलाड़ियों को सम्मानित करने के साथ विविध प्रस्तुतियाँ दी गईं। डॉ. रागिनी मक्कड़ ने शास्त्रीय नृत्य 'अष्ट लक्ष्मी', यश कुमार ने मोनो एक्ट 'रासी' तथा ध्वनिल नाट्य संस्था ने 'अहिल्या' नाटक प्रस्तुत किया। वहीं, द नर्ड्स ने भारतीय सशस्त्र बलों को समर्पित संगीतमय प्रस्तुति दी। संस्थान के निदेशक प्रो. सुहास जोशी ने समावेशी एवं सहयोगपूर्ण वातावरण के निर्माण और महिलाओं को समान अवसर प्रदान करने की संस्थान की प्रतिबद्धता दोहराई। कार्यक्रम में विद्यार्थियों, संकाय सदस्यों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

भारत इनोवेट्स 2026

शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 21–22 मार्च, 2026 को आईआईटी बॉम्बे रिसर्च पार्क में 'भारत इनोवेट्स डीप-टेक प्री-समिट' का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान विशेष सत्र को संबोधित करेंगे। समिट में देशभर से 3,000 से अधिक आवेदनों में से चयनित लगभग 137 महत्वपूर्ण डीप-टेक स्टार्टअप अपने नवाचारों का प्रदर्शन करेंगे। उद्घाटन सत्र में भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार प्रो. अजय कुमार सूद सहित उच्चतर शिक्षा विभाग के सचिव डॉ. विनीत जोशी, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव प्रो. अभय करंदीकर, जैव प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव डॉ. राजेश सुधीर गोखले तथा आईआईटी बॉम्बे के निदेशक प्रो. शिरीष केदारे सहित वरिष्ठ अधिकारी, शिक्षाविद् एवं उद्योग जगत के प्रतिनिधि भाग लेंगे। इस दो दिवसीय समिट में एडवांस्ड कंप्यूटिंग, स्वास्थ्य सेवा, अंतरिक्ष एवं रक्षा, ऊर्जा, सेमीकंडक्टर, जैव प्रौद्योगिकी, कृषि, स्मार्ट सिटीज और मैन्युफैक्चरिंग 4.0 सहित 13 प्रमुख प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में नवाचारों का प्रदर्शन किया जाएगा। इसमें 200 से अधिक स्टार्टअप संस्थापक, 70 से अधिक निवेशक और 50 से अधिक उद्योग जगत के प्रतिनिधि शामिल होंगे। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा घोषित 'भारत इनोवेट्स' पहल का उद्देश्य भारतीय उच्चतर शिक्षण संस्थानों में विकसित प्रौद्योगिकियों को वैश्विक बाजारों तक पहुँचाना, निवेश एवं रणनीतिक साझेदारियों को बढ़ावा देना तथा अनुसंधान और उद्योग के बीच सहयोग को सुदृढ़ करना है। इस पहल का अंतरराष्ट्रीय नवाचार प्रदर्शन 14–16 जून, 2026 को नीस, फ्रांस में आयोजित किया जाएगा। यह पहल राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य के अनुरूप भारत को वैश्विक डीप-टेक नवाचार केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

राष्ट्रीय जल सम्मेलन 2026

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर के मेहता फैमिली स्कूल ऑफ सस्टेनेबिलिटी एवं सिविल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) और भारतीय राष्ट्रीय युवा विज्ञान अकादमी (आईएनवाईएसए) के सहयोग से 'राष्ट्रीय जल सम्मेलन 2026' का सफल आयोजन किया गया। सम्मेलन का विषय 'सतत एवं अनुकूल भविष्य के लिए जल संसाधनों का विकास' था। इसमें देशभर के प्रमुख संस्थानों से 150 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया तथा जल संसाधन प्रबंधन, जलवायु परिवर्तन, भू-स्थानिक प्रौद्योगिकियों और सतत विकास पर विचार-विमर्श किया। उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि श्री जॉन किंगस्ली (आईएएस), सचिव, मध्य प्रदेश शासन तथा विशिष्ट अतिथि प्रो. ए. के. नेमा, आईआईटी दिल्ली सहित संस्थान के निदेशक प्रो. सुहास एस. जोशी उपस्थित रहे। निदेशक ने जल सुरक्षा के लिए अनुसंधान, नवाचार एवं उत्तरदायी प्रबंधन के महत्व पर जोर दिया। श्री जॉन किंगस्ली ने सामुदायिक भागीदारी और सरकारी एवं शैक्षणिक संस्थानों के बीच समन्वय को आवश्यक बताया, जबकि प्रो. ए. के. नेमा ने जल प्रबंधन में कृत्रिम बुद्धिमत्ता और रिमोट सेंसिंग जैसी उन्नत प्रौद्योगिकियों की भूमिका रेखांकित की। सम्मेलन के अध्यक्ष प्रो. मनीष गोयल के नेतृत्व में आयोजित तकनीकी सत्रों और पैनल चर्चाओं में जल गुणवत्ता, जल विज्ञान, आपदा जोखिम न्यूनीकरण, एकीकृत जल संसाधन प्रबंधन तथा सतत जल अवसंरचना जैसे विषयों पर चर्चा हुई। सम्मेलन ने अनुसंधान, नीति एवं समाज के बीच सहयोग को बढ़ावा देते हुए भारत में सतत और जलवायु-अनुकूल जल प्रबंधन की दिशा में महत्वपूर्ण सुझाव प्रस्तुत किए।

'लॉन्चपैड' इन्क्यूबेशन एवं इनोवेशन सेंटर का शुभारंभ



मध्य प्रदेश में डीप-टेक नवाचार एवं उद्यमिता को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में 29 मार्च, 2026 को सिंहासा आईटी पार्क, इंदौर में 'लॉन्चपैड: इन्क्यूबेशन एवं इनोवेशन सेंटर' का शुभारंभ माननीय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की गरिमामयी उपस्थिति में किया गया। यह केंद्र आईआईटी इंदौर के आईआईटीआई दृष्टि सीपीएस फाउंडेशन एवं मध्य प्रदेश स्टेट इलेक्ट्रॉनिक्स डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (एमपीएसईडीसी) द्वारा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, मध्य प्रदेश शासन के अंतर्गत संयुक्त रूप से स्थापित किया गया। लगभग 10,000 वर्ग फुट क्षेत्र में विकसित इस केंद्र में 5,000 वर्ग फुट को-वर्किंग एवं इन्क्यूबेशन स्पेस तथा 5,000 वर्ग फुट उन्नत प्रयोगशाला अवसंरचना उपलब्ध कराई गई है, जिसमें इंटेलिजेंट मैन्युफैक्चरिंग लैब भी शामिल है। यह केंद्र आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, इंडस्ट्री 4.0, रोबोटिक्स, डिजिटल हेल्थकेयर एवं उन्नत विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में स्टार्टअप्स, शोधकर्ताओं और एमएसएमई को प्रोटोटाइपिंग से व्यावसायीकरण तक सहयोग प्रदान करेगा। लगभग ₹10 करोड़ के अवसंरचना निवेश एवं ₹20 करोड़ के स्टार्टअप समर्थन के साथ, केंद्र का आगामी सात वर्षों में लगभग 100 स्टार्टअप्स को विकसित करने और 200–300 रोजगार अवसर सृजित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस अवसर पर आईआईटी इंदौर के निदेशक प्रो. सुहास जोशी, बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के अध्यक्ष एवं इसरो के पूर्व अध्यक्ष डॉ. के. सिवन तथा मध्य प्रदेश शासन के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के प्रमुख सचिव श्री एम. सेल्वेंद्रन सहित शासन के वरिष्ठ अधिकारी, उद्योग विशेषज्ञ, संकाय सदस्य एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। यह पहल मध्य प्रदेश में डीप-टेक नवाचार एवं उद्यमिता के सुदृढ़ पारिस्थितिकी तंत्र के विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

नई अवसंरचना परियोजनाओं का शिलान्यास एवं अत्याधुनिक अनुसंधान सुविधाओं का उद्घाटन





भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर में 30 मार्च, 2026 को शैक्षणिक एवं अनुसंधान अवसंरचना को सुदृढ़ करने की दिशा में कई महत्वपूर्ण पहल की गईं। संस्थान के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के अध्यक्ष डॉ. के. सिवन की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में सोलर पार्क एवं नए केंद्रीय विद्यालय भवन की आधारशिला रखी गई तथा सीजीएस एडवांस्ड रिसर्च कॉम्प्लेक्स और ऑगमेंटेड रियलिटी एवं वर्चुअल रियलिटी (एआर/वीआर) इनोवेशन लैब 'स्वास्थ्यएक्सआर' का उद्घाटन किया गया। लगभग ₹11.8 करोड़ की लागत से निर्मित सीजीएस एडवांस्ड रिसर्च कॉम्प्लेक्स 21,662 वर्ग फुट क्षेत्र में फैला है, जिसमें 10 अत्याधुनिक प्रयोगशालाएँ, 24 संकाय कक्ष एवं 96 छात्र कार्यस्थल उपलब्ध हैं। वहीं, 1 मेगावाट क्षमता का सोलर पार्क स्थापित करने की पहल की गई, जिससे प्रतिवर्ष लगभग ₹75 लाख की बिजली लागत बचत का अनुमान है। केंद्रीय विद्यालय के नए जी+2 भवन का निर्माण लगभग ₹26.54 करोड़ की लागत से किया जाना प्रस्तावित है। आईआईटीआई दृष्टि सीपीएस फाउंडेशन द्वारा लगभग ₹30 लाख की लागत से स्थापित 'स्वास्थ्यएक्सआर' लैब में आधुनिक एआर/वीआर तकनीकों के माध्यम से डिजिटल हेल्थकेयर अनुसंधान को बढ़ावा दिया जाएगा। इस अवसर पर ऊँचाई के भय के उपचार हेतु विकसित एआर/वीआर आधारित एप्लिकेशन का तकनीकी हस्तांतरण भी किया गया। इन पहलों से संस्थान में अनुसंधान, नवाचार, सतत विकास और अंत:विषय सहयोग को नई गति मिलेगी।

छात्राओं की शिक्षा एवं डिजिटल साक्षरता को बढ़ावा देने हेतु पुस्तकालय और कंप्यूटर कियोस्क स्थापित किया





भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) इंदौर ने अपने आदर्श ज्ञानम् सर्वजनहिताय (ज्ञान सभी के कल्याण के लिए है) के अनुरूप सामुदायिक विकास एवं समावेशी शिक्षा को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की है। इस क्रम में संस्थान ने निमाह, तहसील महू, जिला इंदौर स्थित नेताजी सुभाष चंद्र बोस आवासीय बालिका छात्रावास में पुस्तकालय एवं कंप्यूटर कियोस्क स्थापित किया। समग्र शिक्षा अभियान के अंतर्गत संचालित इस छात्रावास में 27 मार्च 2026 को श्रीमती मालथी शिवन ने इस सुविधा का औपचारिक उद्घाटन किया। इस पहल के तहत आईआईटी इंदौर ने सामान्य ज्ञान, पंचतंत्र, कहानियों एवं जीवनियों सहित विभिन्न विषयों की पुस्तकें तथा उनके रखरखाव हेतु दो अलमारियाँ उपलब्ध कराईं। इसके अतिरिक्त, डिजिटल शिक्षा को प्रोत्साहित करने के लिए पाँच कंप्यूटर, पाँच यूपीएस, छह टेबल एवं चार कुर्सियाँ प्रदान की गईं। इस पहल का उद्देश्य छात्राओं में पढ़ने की आदत विकसित करना, डिजिटल साक्षरता बढ़ाना तथा स्व-अध्ययन को प्रोत्साहित करना है। यह सुविधा छात्राओं को ज्ञान के नए अवसर उपलब्ध कराने के साथ उनके शैक्षणिक सशक्तीकरण, आत्मविश्वास एवं सर्वांगीण विकास में सहायक होगी। यह प्रयास शिक्षा के माध्यम से समाज के व्यापक कल्याण के प्रति आईआईटी इंदौर की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।









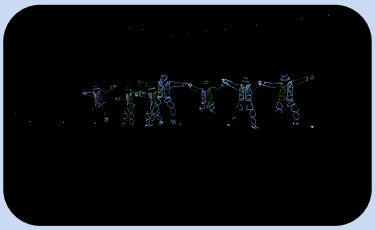


संस्थान अधिकारीगण

प्रोफेसर सुहास जोशी, निदेशक
प्रोफेसर संदीप चौधरी, अधिष्ठाता (प्रशासन)
श्री एस. पी. होता, कुलसचिव
श्री राजीव पाण्डेय, राजभाषा अधिकारी

राजभाषा समिति

प्रोफेसर नीरज कुमार शुक्ला, संयोजक
प्रोफेसर शरद गुप्ता, सदस्य
डॉ. अभिषेक यादव, सदस्य
सुश्री पूजी तिवारी, सदस्या
सुश्री मिताली दवे, सदस्या
श्री शिशिर कुमार, सदस्य सचिव


भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर
सिमरोल, खंडवा रोड, इंदौर
मध्य प्रदेश - 453553

अस्वीकरण: यह समाचारपत्रिका सामान्य जानकारी के लिए है। भविष्य में, इसे कानूनी, वित्तीय या किसी अन्य उद्देश्य के लिए संदर्भित नहीं किया जा सकता है।